

**Date-06/07/2026**

**\*गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है भाषा विश्वविद्यालय : प्रो. अजय तनेजा\***

**11वें दीक्षांत समारोह में पदकों की खनक से चमकेगी मेधा, नई सुविधाओं एवं शोध पुस्तकों का होगा लोकार्पण और विमोचन**

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के 11वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के समिति कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विगत एक वर्ष की उपलब्धियों, शैक्षणिक प्रगति, अनुसंधान, नवाचार, अधोसंरचना विकास तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रो. तनेजा ने बताया कि विश्वविद्यालय का 11वाँ दीक्षांत समारोह 08 जुलाई 2026 (बुधवार) को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात विचारक एवं राज्यसभा सांसद प्रो. सुधांशु त्रिवेदी दीक्षांत भाषण देंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय तथा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की गरिमा बढ़ाएँगे।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित करते हुए पहली बार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) से 'B++' ग्रेड तथा 2.86 CGPA प्राप्त किया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी प्रशासन एवं सतत शैक्षणिक सुधारों का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के कल्याण के लिए पहली बार 1.50 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड स्थापित किया गया है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 5020 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख एवं समकालीन शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी, जूलॉजी, औद्योगिक रसायन विज्ञान, संगीत एवं अवधी सहित अनेक नए स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जा रहे हैं। साथ ही बीबीए, बीसीए, एमबीए, एमसीए सहित विभिन्न तकनीकी कार्यक्रमों को एआईसीटीई सहित संबंधित नियामक संस्थाओं से आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त हो चुकी हैं। प्रो. तनेजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने परीक्षा प्रणाली में भी उल्लेखनीय सुधार किए हैं। सभी परीक्षाएँ समयबद्ध ढंग से सम्पन्न कराई गईं

तथा परिणाम निर्धारित समय में घोषित किए गए। विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली उपाधियों को नॉन-टियरेबल (Non-Tearable) बनाया गया है तथा सभी डिग्रियों को डिजीलॉकर पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से प्रमाणपत्र प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है। अधोसंरचना विकास का उल्लेख करते हुए कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक पुस्तकालय, INFLIBNET कॉर्नर, मीडिया स्टूडियो, भाषा प्रयोगशालाएँ, मूट कोर्ट, आर्ट गैलरी, संग्रहालय, योग वाटिका, ओपन जिम, हर्बल गार्डन, सेल्फी प्वाइंट, इंटरनेट क्षमता विस्तार, पार्किंग एवं खेल सुविधाओं का व्यापक विकास किया गया है। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल के कर-कमलों द्वारा बाल वाटिका, अतिथि गृह के पाँच नवीनीकृत कक्ष, दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु 02 लिफ्ट एवं 03 विशेष शौचालय, 10 अत्याधुनिक फार्मैसी प्रयोगशालाएँ, मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) का लोकार्पण किया जाएगा।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। विभिन्न विभागों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, शोध एवं विकास परियोजनाओं तथा वित्तपोषित अनुसंधान योजनाओं के माध्यम से शोध गतिविधियों को नई गति मिली है। विश्वविद्यालय ने अब तक भारतीय एवं विदेशी शिक्षण संस्थानों, उद्योगों तथा अन्य संगठनों के साथ 71 समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को इंटरशिप, प्रशिक्षण, संयुक्त शोध तथा रोजगार के व्यापक अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

प्रो तनेजा ने बताया कि विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करने के लिए विश्वविद्यालय में स्टार्टअप, इनोवेशन, डिजिटल लर्निंग तथा 'AI for Everyone' जैसे वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर विज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा विकसित नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है तथा विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। भारतीय ज्ञान परम्परा एवं मातृभाषाओं के संरक्षण पर बल देते हुए कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System) केन्द्र की स्थापना की गई है। साथ ही अवधी भाषा एवं साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से महत्वपूर्ण पहल की गई है तथा आगामी शैक्षणिक सत्र से बी.ए. (अवधी) प्रारम्भ करने की तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, योग, महिला सशक्तीकरण, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय पर्वों तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया गया है। राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), एनसीसी एवं खेल गतिविधियों में भी विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

### **\*दीक्षांत समारोह में 1246 विद्यार्थियों को मिलेगी उपाधि\***

प्रेस वार्ता के दौरान कुलपति ने बताया कि इस वर्ष कुल 1246 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएँगी, जिनमें 799 स्नातक (UG), 437 स्नातकोत्तर (PG) तथा 10 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 495 छात्राएँ एवं 751 छात्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कुल 939 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 120 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन सहित प्रथम श्रेणी तथा 177 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की है। प्रो. तनेजा ने बताया कि इस वर्ष प्रदान किए जाने वाले 125 पदकों में से 74 पदक छात्राओं तथा 51 पदक छात्रों को प्राप्त हुए हैं। कुल 110 पदक विजेताओं में छात्राओं की हिस्सेदारी 59.20 प्रतिशत है।

### **\*11 पुस्तकों का होगा विमोचन\***

कुलपति ने बताया कि दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकों द्वारा लिखित एवं संपादित 11 तकनीकी एवं शैक्षणिक पुस्तकों का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया जाएगा, जो विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी। भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारम्भ किए जाएँगे, भाषा प्रयोगशालाओं का विस्तार होगा, अधोसंरचना को और सुदृढ़ किया जाएगा, ई-पुस्तकालय विकसित किया जाएगा तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेमिनार, सम्मेलन एवं शोध गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक एवं मूल्यपरक शिक्षा उपलब्ध कराना है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने सभी मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध एवं नवाचार संबंधी प्रयासों को समाज तक पहुँचाने में उनके सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विकास, डीन अकादमिक प्रो. सौबान सईद, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. अताउर रहमान, जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. काज़िम रिज़वी, डॉ. जफरुन नकी, श्री मोहसिन हैदर सहित विभिन्न समाचार-पत्रों, टीवी चैनलों एवं डिजिटल मीडिया संस्थानों के पत्रकार उपस्थित रहे।

## **11th Convocation Media Coordination Duties**

**Date:- 08/07/2026**

The following responsibilities are assigned for the smooth coordination of media activities during the 11th Convocation:-

**Dr. Zafrun Naqi** – To receive and coordinate with the Urdu Media, accompany them during Lunch, and prepare the Urdu Press Release

**Dr. Maziah Shaaz** – To receive and coordinate with the English Media, accompany them during Lunch, and prepare the English Press Release

**Mr. Mohasin** – To receive and coordinate with the Hindi Media, accompany them during Lunch, and prepare the Hindi Press Release

**Mr. Ankit** – To coordinate the Media Kit Distribution with the assistance of the Research Scholars

Main Gate & Overall Coordination

Dr. Shachindra Shekhar

Dr. Kazim Rizvi

**\*Press Release\***

**Date-08/07/2026**

**\*ज्ञान, संस्कार और नवाचार से विकसित भारत का सपना साकार करेंगे युवा : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल\***

**ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का 11वाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न, 1236 विद्यार्थियों को उपाधियाँ एवं 125 मेधा को मिले पदक**

उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसे उत्तरदायी, संवेदनशील और संस्कारित नागरिक तैयार करना है जो समाज, राष्ट्र और मानवता के कल्याण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और इसके लिए ज्ञान, नवाचार, नैतिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का समन्वय आवश्यक है। कुलाधिपति माननीय राज्यपाल विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। समारोह में राज्यसभा सांसद एवं प्रख्यात चिंतक डॉ. सुधांशु त्रिवेदी मुख्य अतिथि तथा उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध, नवाचार एवं अधोसंरचनात्मक उपलब्धियों का विस्तृत विवरण रखा।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, भारतीय एवं विदेशी भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन, कौशल विकास, स्टार्टअप, नवाचार, शोध, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान की वाहक है। विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत, पाली, हिन्दी, उर्दू, फ़ारसी, अंग्रेज़ी के साथ-साथ जर्मन, जापानी, चीनी, फ्रेंच तथा अवधी भाषा के अध्ययन की दिशा में किए जा रहे प्रयास इसकी विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी शिक्षा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का माध्यम बनें तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

आनंदीबेन ने कहा कि मुझे विशेष संतोष है कि विगत एक वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों के साथ 71 समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की वैश्विक स्वीकार्यता, शैक्षिक उत्कृष्टता और अनुसंधान के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का परिचायक है। ऐसे सहयोग ज्ञान के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान, संयुक्त प्रकाशन और विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलते हैं।

**कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सभी से तीन संकल्प लेने का आग्रह करूँगी:-**

**पहला, अपनी भाषा और भारतीय भाषाओं के सम्मान एवं संवर्धन का।**

**दूसरा, ज्ञान का उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए करने का।**

**तीसरा, जीवन में सत्य, संवेदना, करुणा और नैतिकता को सर्वोच्च स्थान देने का।**

मुख्य अतिथि डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार अर्जित करना नहीं, बल्कि ज्ञान, इच्छा और कर्म का समन्वय स्थापित कर एक श्रेष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और यही युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी आधारशिला है। भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत तथा आधुनिक विज्ञान के समन्वय से भारत विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार, उद्यमिता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को अपने जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। यह भी एक संयोग है कि भाषा विश्वविद्यालय उस नगर में स्थित है, जहाँ भाषा, तहजीब और अदब की परंपरा सबसे अधिक समृद्ध रही है। लखनऊ वह शहर है, जहाँ की रवायतें और नज़ाकतें केवल जीवनशैली नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक विरासत हैं। यहाँ अदब है, तहजीब है, और संवाद की एक विशिष्ट मर्यादा है। प्रो त्रिवेदी ने कहा कि जब हम लखनऊ में भाषा विश्वविद्यालय की बात करते हैं, तो यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान की बात नहीं रह जाती, बल्कि एक ऐसी सांस्कृतिक जिम्मेदारी की बात बन जाती है, जिसमें भाषा, साहित्य और संस्कार तीनों का संगम दिखाई देता

### **\*माँ-बेटी सम्मेलन\***

कुलाधिपति आनंदीबेन ने कहा कि आज के बदलते सामाजिक परिवेश में माँ-बेटी के बीच खुला संवाद अत्यंत आवश्यक है। यह सम्मेलन इसी संवाद को प्रोत्साहित करता है, जिससे परिवार में विश्वास और अपनापन बढ़ता है तथा बेटियाँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होती हैं।

विशिष्ट अतिथि एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप मूल्यपरक, रोजगारोन्मुखी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा भाषा शिक्षा, शोध, नवाचार, कौशल विकास, सामाजिक दायित्व तथा

वैश्विक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नई पहचान स्थापित कर रहा है।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि सत्र 2025-26 में आयोजित परीक्षाओं में 1270 विद्यार्थियों में से 1236 विद्यार्थी सफल हुए तथा 11वें दीक्षांत समारोह में कुल 125 मेधा पदक प्रदान किए गए, जिनमें 54 स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय 98 शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित कर रहा है तथा विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल पर पंजीकरण किया गया है। नए व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ बी.टेक., एम.टेक., एम.एससी. तथा अन्य आधुनिक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक 71 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से जर्मन, फ्रेंच, जापानी, अंग्रेजी एवं अरबी भाषाओं के प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विश्वविद्यालय में साइबर सिक्योरिटी लैब, आधुनिक रसायन प्रयोगशालाएँ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित वैल्यू एडेड कोर्स, स्टार्टअप एवं इन्क्यूबेशन सेंटर तथा अत्याधुनिक शोध सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। कुलपति तनेजा ने बताया कि विश्वविद्यालय में आयोजित वृहद रोजगार मेले के माध्यम से 461 विद्यार्थियों का चयन गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, टाटा मोटर्स, वॉलमार्ट, हिताची सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों में हुआ। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल, एनसीसी, शोध, नवाचार तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा रक्तदान, मतदाता जागरूकता, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता एवं ग्रामीण विकास से जुड़े 245 से अधिक सामाजिक सेवा अभियान संचालित किए गए। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भविष्य में नई भाषा प्रयोगशालाओं की स्थापना, अधोसंरचना विस्तार, खेल सुविधाओं का विकास, अनुसंधान एवं पेटेंट को प्रोत्साहन, आधुनिक प्रयोगशालाओं का उन्नयन, सतत ऊर्जा, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज शुक्ल ने किया जबकि इस दौरान कुलसचिव विकास, डीन अकादमिक प्रो. सौबान सईद, प्रो. मसूद आलम, प्रो. हैदर अली, डॉ. पूनम चौधरी और डॉ. ममता शुक्ला सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट सहित विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

## **\*Girls Outshine Boys as KMCLU Confers Degrees on 1,246 Students at 11th Convocation\***

Khwaja Moinuddin Chishti Language University (KMCLU), Lucknow, celebrated its 11th Convocation Ceremony at the university campus today. The ceremony was presided over by the \*Hon'ble Governor of Uttar Pradesh and Chancellor of the University, Smt. Anandiben Patel\*. The Convocation Address was delivered by the \*Chief Guest, Rajya Sabha Member of Parliament Prof. Sudhanshu Trivedi\*, while \*Shri Yogendra Upadhyay\*, \*Minister for Higher Education\*, Government of Uttar Pradesh, attended as the Guest of Honour.

Addressing the graduating students, Smt. Anandiben Patel congratulated the degree recipients on their academic achievements and urged them to contribute meaningfully to society. Emphasising the transformative role of education, she encouraged students to become compassionate, socially responsible citizens and work collectively towards the vision of \*Viksit Bharat\*. She expressed appreciation for the university's efforts in teaching languages including Sanskrit, Pali, Hindi, Urdu, Persian, English, German, Japanese, Chinese, French and Awadhi, and praised its 71 MoUs with national and international institutions.

Chief Guest \*Prof. Sudhanshu Trivedi\* highlighted the significant progress witnessed in higher education in Uttar Pradesh and appreciated the initiatives undertaken under the leadership of the Hon'ble Governor to strengthen the state's educational ecosystem. He also remarked that KMCLU, situated in Lucknow — a city renowned for its language, culture and refinement — carries a special cultural responsibility that goes beyond academics.

In his address, \*Shri Yogendra Upadhyay\* stressed the importance of promoting and strengthening language education while reaffirming the Government's commitment to quality higher education.

Presenting the University Report, \*Vice-Chancellor Prof. Ajay Taneja\* outlined the University's annual progress report and future plans, including the introduction of new academic programmes, expansion of infrastructure, and

establishment of advanced laboratories. He also acknowledged the Chancellor's guidance in implementing several flagship initiatives through various university outreach programmes.

A total of 1,246 students were awarded degrees, comprising 799 undergraduate, 437 postgraduate, and 10 Ph.D. scholars. Of the 125 medals conferred, 74 were awarded to female students, accounting for 59.2% of the total medal recipients and reflecting their outstanding academic performance. The University also introduced non-tearable degree certificates, and all degrees were made available digitally through \*DigiLocker.\*

Students from the University's adopted Anganwadi schools in Auraiya participated in the ceremony with a cultural performance centred on the theme of water conservation.

A major highlight of this year's convocation was the \*"Maa-Beti Sammelan,"\* chaired by the Hon'ble Governor. Eminent medical professionals, including Dr. Neerja Singh and Dr. Ila, participated in the programme. During the session, the Governor emphasised the importance of girls' education, menstrual hygiene, maternal nutrition, and preventive healthcare. Under her patronage, free HPV vaccination was administered to eligible young girls to promote cervical cancer prevention. The University had also organised comprehensive health screening for female students, including blood tests, and the reports were shared with their mothers.

The event was compered by Dr. Neeraj Shukla and attended by Registrar Shri Vikas, Dean (Academics) Prof. Sauban Sayeed, Prof. Masood Alam, Prof. Haider Ali, Dr. Poonam Chaudhary, Dr. Mamta Shukla, former Vice-Chancellor and retired IAS officer Dr. Anis Ansari, distinguished faculty member from the University of Lucknow, faculty members from KMCLU, university officials, students, parents, and a large gathering of invited guests.